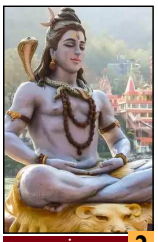

पृष्ठ संख्या 2

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

# संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्ष: 01 | अंक: 17 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, बुधवार 7 दिसम्बर, 2022 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.


## आई एम शक्ति उड़ान योजना स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में महिलाएं भर रही हैं उड़ान

**जयपुर (संस्कार सृजन)।** मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजट घोषणा की क्रियान्विति में प्रदेश की किशोरियों एवं महिलाओं में माहवारी प्रबंधन जागरूकता एवं सम्पूर्ण प्रदेश में किशोरियों एवं महिलाओं के लिए निःशुल्क सैनेटरी नैपकिन के वितरण के लिए वर्ष 2021-22 में आई एम शक्ति उड़ान योजना लागू की गई। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां महिलायें अपनी ऐसी समस्यायें किसी से संकोचवश कह नहीं पाती है व इस कारण अनेक रोगों से ग्रसित हो जाती है और उन्हें समय पर इलाज नहीं मिल पाता है, उन्हें इस योजना से विशेष लाभ प्राप्त हो रहा है।

**योजना के प्रथम चरण में लगभग 29 लाख किशोरियाँ एवं महिलाएं लाभान्वित**

योजना के प्रथम चरण का शुभारंभ दिसम्बर 2021 में राज्य सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किया गया था। योजना के प्रथम चरण में राज्य के लगभग 34 हजार राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत 26 लाख छात्राएं एवं 1,410 आंगनबाडी केन्द्र के माध्यम से (प्रति आंगनबाडी केन्द्र 200 लाभार्थी) लगभग 3 लाख किशोरियाँ एवं महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। प्रथम चरण के अंतर्गत लगभग 29 लाख किशोरी एवं महिलाओं को लाभ प्राप्त हुआ है।

**द्वितीय चरण के निर्धारित लक्ष्य में से 87 प्रतिशत से अधिक महिलाएं एवं बालिकाएं हुई लाभान्वित**

योजना के द्वितीय चरण में आंगनबाडी केन्द्र, राजकीय विद्यालय, राजकीय महाविद्यालयों, जनजाती क्षेत्रीय आवासीय विद्यालयों, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से सम्बंधित आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं आदि को निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन उपलब्ध करवाए जायेंगे। इस प्रकार योजनान्तर्गत संबंधित विभागों के लगभग 1 करोड़ 45 लाख किशोरियाँ एवं महिलाएं लाभान्वित करने के क्रम में आरएमएससीएल द्वारा द्वितीय चरण की आपूर्ति भी 96,645 केन्द्रों पर प्रारम्भ की गयी थी जिसके तहत निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन से अब तक राजस्थान के सभी राज्यों में 87 प्रतिशत से अधिक तक किशोरी एवं महिलाएं लाभान्वित हो चुकी हैं। योजना प्रचार-प्रसार के लिए शुभंकर, हॉर्डिंग, पोस्टर, वेब फ्लायर, रेडियों जिंगल्स तथा लघु फिल्म तैयार की गई है जिनका समय-समय पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। योजना के सफल क्रियान्वयन है संबंधित विभिन्न विभागों के राज्य, जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों का आमुखीकरण किया गया है।

**200 करोड़ रुपए का प्रावधान, विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा किया जा रहा है**

**महिलाओं को जागरूक**

योजना के क्रियान्वयन एवं पर्यवेक्षण के लिए निदेशालय महिला अधिकारिता में योजना क्रियान्वयन सम्बंधित विभिन्न कार्यों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्ति आदेश जारी किए जा चुके है।वित्तीय वर्ष 2022-23 में राशि 200 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान रखा गया है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 08 मार्च 2022 पर माहवारी स्वच्छता जागरूकता एवं प्रबंधन हेतु उड़ान योजनान्तर्गत राज्य एवं जिला स्तर पर लगभग 18 लाख किशोरियों एवं महिलाओं को पैडमैन फिल्म दिखाई गई। मई 2022 में राज्य एवं जिला स्तर पर चुप्पी तोड़ो, सयानी बनोअभियानका आयोजन कर माहवारी जागरूकता एवं प्रबंधन पर किशोरी एवं महिलाओं को जागरूक किया गया। उड़ान योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य, जिला, ब्लॉक एवं ग्राम स्तर अधिकारीयों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण करवाया गया है।

## डॉ. अंबेडकर के संविधान को जन-जन तक पहुंचाएं : लाडणा

**जयपुर (संस्कार सृजन)।** विधानसभा के पास स्थित अंबेडकर सर्किल पर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उनकी मूर्ती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस दौरान जन मोर्चा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष के.सी. घूमरिया ने कहा कि बाबा साहब डॉ. अंबेडकर का मुख्य विचार था कि शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है और किसी को भी इस अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। यातायात ट्राफिक पुलिस निरीक्षक सोनचंद लाडणा ने कहा कि सभी लोग संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान को पढ़कर उनके द्वारा किए गए कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएं। मानव जन जागृति संस्थान के

प्रदेशाध्यक्ष सौदागर कांदेला ने कहा कि उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतों (दलितों) से सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति-जनजाति विकास परिषद जयपुर के जिला महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने कहा कि डॉ. अंबेडकर साहब स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, भारतीय संविधान के जनक एवं भारत गणराज्य के निर्माताओं में से एक थे। उन्होनें पूरा जीवन दलितों, शोषितों और पिछड़ों को उनका अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष किया। डॉ. अंबेडकर अधिवक्ता संस्था राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट महावीर जिंदल ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवनी पर प्रकाश डाला। इस मौके पर समाजसेवी गोपाल देवठिया, पवन कुमार वर्मा सहित सैकडों लोग मौजूद रहे।

## उन्नत जीवन पब्लिक ट्रस्ट ने स्कूली बच्चों को ऊनी वस्त्र किए भेंट

**चौमूं (संस्कार सृजन)।** राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कचोलिया,चौमूं जिला जयपुर में उन्नत जीवन पब्लिक ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने बच्चों को ऊनी वस्त्र भेंट किए । ट्रस्टी रतन सनातन ने बताया कि शिक्षा से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है, आत्मसम्मान बढ़ता है, कर्तव्यों का बोध और अधिकारों का ज्ञान होता है । सभ्य समाज एक शिक्षित वर्ग से ही बनता है । बालक बालिकाओं की मूलभूत आवश्यकताएं पूरी होंगी, तभी तो ये स्कूलों तक पहुंच पाएंगे ।

## अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने किए शीला माता के दर्शन

**जयपुर (संस्कार सृजन)।** अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता और तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष पंडित रविन्द्राचार्य ने आमेर स्थित शीला माता के दर्शन किए । इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने बताया कि श्याम प्रेमी गोपाल भाई के कार्य होने पर इन्होंने माताजी के ध्वजा बोली थी, कार्य संपन्न होने पर आज ध्वजा चढ़ाई और दर्शन कर सभी के लिए मनोकामना की ।

इस दौरान साथ में श्याम प्रेमी गोपाल भाई, शशांक बंसल, संभव सोनी, कपिल सिंह चौहान, यशराज सिंह चौहान आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

## राजेंद्र राठौड़ की पीआईएल पर विधानसभा अध्यक्ष-सचिव को नोटिस

### हाईकोर्ट ने दो सप्ताह में मांगा जवाब, कांग्रेस विधायकों के पेंडिंग इस्तीफों का मामला

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष और सचिव को नोटिस जारी किए हैं। कांग्रेस के विधायकों के इस्तीफे राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष के पास पेंडिंग होने के मामले में उपनेता प्रतिपक्ष और बीजेपी के सीनियर नेता राजेन्द्र राठौड़ की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने ये नोटिस जारी किए। राठौड़ ने विधानसभा स्पीकर और सचिव के खिलाफ यह जनहित याचिका लगाई गई है। हाईकोर्ट जयपुर बेंच के जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और विनोद कुमार भारवानी डिविजनल बेंच में मामले पर सुनवाई हुई। अपने केस की खुद पैरवी करते हुए राजेंद्र राठौड़ ने कहा- 91 विधायकों के सामूहिक त्याग पत्र से वर्तमान सरकार सदन का विश्वास खो चुकी है।

## कवि इकराम राजस्थानी लोक कवि मोहन मण्डेला लोक साहित्य सम्मान से हुए सम्मानित

**शाहपुरा (संस्कार सृजन)।** शाहपुरा में साहित्य सृजन कला संगम संस्थान द्वारा आयोजित लोक कवि मोहन मण्डेला स्मृति 25 वां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन हजारों श्रोताओं की उपस्थिति में भोर तक चला। अखिल भारतीय तैराकी संघ के उपाध्यक्ष अनिल व्यास की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक कैलाश मेघवाल थे। अखिल भारतीय बैरवा महासभा के उपाध्यक्ष लालाराम बैरवा तथा नगरपालिका पार्षद राजेश सौलंकी कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे। सूत्रधार कवि कैलाश मण्डेला ने विगत 25 वर्ष की कवि सम्मेलन की यात्रा के संघर्ष को प्रस्तुत करते हुए लोक कवि के नाम से शाहपुरा में प्रस्तावित टाउन हॉल जिसकी घोषणा 2016 में विधायक कैलाश मेघवाल ने की थी को रेखांकित करते हुए पुनः टाऊन हॉल की आवश्यकता को रेखांकित किया । विख्यात गीतकार एवं आकाशवाणी के मान्यता प्राप्त गायक, समाचार-वाचक, लोकगायक और उद्घोषक इकराम राजस्थानी को समारोह में संस्था की ओर से शॉल, श्रीफल एवं मान पत्र तथा नकद राशि भेंट कर लोक कवि मोहन मण्डेला स्मृति ''लोक साहित्य सम्मान'' से नवाजा गया। मानपत्र का वाचन संस्था अध्यक्ष जयदेव जोशी ने किया। निरन्तर

किसी साहित्यकार को सम्मानित करने की श्रृखंला में अब तक 25 साहित्यकार सम्मानित हो चुके हैं। इसी के साथ साहित्य सृजन कला संगम के तत्वावधान में आयोजित होने वाली मासिक काव्य गोष्ठियों के साथ ही साहित्य की सतत और स्तरीय सेवा के प्रति समर्पित गीतकार सत्येन्द्र मण्डेला को 'मान-पत्र' भेंट कर सार्वजनिक अभिनंदन किया गया। प्रसिद्ध हास्य कवि बुद्धि प्रकाश दाधीच ने बेहतरीन गीतों एवं काव्यपाठ से कार्यक्रम को समापन तक पहुंचाया। कार्यक्रम के सूत्रधार एवं कवि डॉ. कैलाश मण्डेला ने अपने पिता लोक कवि मोहन मण्डेला के कई गीतों में से लोक रंजन के प्रसिद्ध गीत ढबजा हिन्दा देबा वाळा मांसूं मती करे रे छाळा आदि गीतों से कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। संस्था के अध्यक्ष जयदेव जोशी, उपाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, रामप्रसाद पारीक, बालकृष्ण बीरा, शिव प्रकाश जोशी, सुनील भट्ट, सत्यव्रत वैष्णव सहित संस्था के सदस्यों ने सभी का स्वागत किया। परम्परा अनुसार करतल ध्वनि से मोहन मण्डेला को श्रोताओं एवं कवियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

## संपादकीय

# कोलेजियम व्यवस्था पर सवाल

एक ऐसे समय जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायाधीशों की नियुक्ति वाली कोलेजियम व्यवस्था को उचित और पारदर्शी ठहराने में लगे हुए हैं, तब किसी को ऐसा कुछ कहने के लिए आगे आना ही चाहिए कि यह आकलन सही नहीं। यह अच्छा है कि पहले कानून मंत्री किरण रिजिजू ने कोलेजियम व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए, फिर उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ ने भी। ऐसे स्वर उभरने इसलिए आवश्यक हैं, क्योंकि जो सुप्रीम कोर्ट एक वक्त कोलेजियम व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता रेखांकित कर रहा था, वह अब उसे पूरी तरह सही बताने में लगा हुआ है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह एक तथ्य है कि कोलेजियम व्यवस्था लोकतांत्रिक मूल्य-मान्यताओं के अनुकूल नहीं।

विश्व के किसी भी लोकतांत्रिक देश में न्यायाधीश ही न्यायाधीशों की नियुक्ति नहीं करते, लेकिन भारत में तबसे ऐसा ही हो रहा है, जबसे सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले के जरिये जजों की नियुक्ति का अधिकार अपने हाथ में ले लिया। इसे कोलेजियम व्यवस्था का नाम दिया गया। यह व्यवस्था इसलिए सही नहीं, क्योंकि इसके तहत न्यायाधीशों की जो नियुक्तियां होती हैं, उसमें कार्यपालिका की कहीं कोई भूमिका नहीं। उसे बस उच्चतर न्यायपालिका के न्यायाधीशों की उस सूची पर मुहर लगानी होती है, जो सुप्रीम कोर्ट के कोलेजियम की ओर से उसे भेजी जाती है।

जिस प्रक्रिया में कार्यपालिका की भूमिका पोस्ट मास्टर सरीखी हो, उसे न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। इसलिए और नहीं, क्योंकि किसी को नहीं पता चलता कि उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय के लिए न्यायाधीशों की नियुक्ति किस आधार पर की गई? ऐसी प्रक्रिया को पारदर्शी बताना पारदर्शिता का उपहास है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यह प्रश्न खड़ाकर सही किया कि आखिर सुप्रीम कोर्ट की ओर से न्यायाधीशों की नियुक्ति संबंधी संविधान संशोधन कानून को खारिज करने के बाद उस पर संसद में कोई बहस क्यों नहीं हुई? न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए एक आयोग का गठन करने वाले इस संविधान संशोधन कानून का निर्माण व्यापक विचार-विमर्श के बाद करीब-करीब सर्वसम्मति से किया गया था। यह आश्चर्यजनक है कि सुप्रीम कोर्ट ने इसमें संशोधन-परिवर्तन की आवश्यकता जताने के बजाय उसे सिर से खारिज कर दिया। इससे देश को यही संदेश गया कि वह न्यायाधीशों की नियुक्ति अपने हिसाब से ही करते रहना चाहता है। इसकी पुष्टि इससे भी हुई कि कोलेजियम व्यवस्था की विसंगतियों को दूर करने की कोई ठोस पहल भी नहीं हुई। निश्चित रूप से इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कोलेजियम व्यवस्था को लेकर असहमति जताई जा रही है, क्योंकि आवश्यकता इस बात की है कि न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव हो। यह बदलाव इसलिए होना चाहिए, क्योंकि न्यायपालिका की स्वतंत्रता के नाम पर न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में उसका पूर्ण एकाधिकार ठीक नहीं।

# भगवान शिव के इस अंश से मिलता कई अशुभ योग से मुक्ति, जानिए इनका ज्योतिषीय लाभ

हिन्दू धर्म में किसी भी मांगलिक कार्य में रुद्राक्ष का होना अनिवार्य माना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इन्हें भगवान शिव और अन्य देवी-देवताओं का साक्षात रूप माना जाता है। किवदंतियों में यह भी उल्लेखित है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई थी। साथ ही कुछ विद्वान रुद्राक्ष को भगवान शिव का आंख बताते हैं। यही कारण है कि सनातन धर्म में रुद्राक्ष को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है और इनका बड़े स्तर पर उपयोग किया जाता है।

इसके साथ यह भी बता दें कि ज्योतिष शास्त्र में भी रुद्राक्ष के महत्व और उनसे जुड़े उपायों को विस्तार से बताया गया है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सही रुद्राक्ष धारण करने से कई प्रकार के दोष और अशुभ योग खत्म हो जाते हैं और जीवन में खुशहाली आती है। आइए जानते हैं।

**रुद्राक्ष का महत्व**

शास्त्रों में बताया गया है कि एक मुखी से 14 मुखी रुद्राक्ष तक की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रू से हुई थी। साथ इनमें कई प्रकार के चमत्कारी गुण मौजूद होते हैं जिनसे व्यक्ति को जीवन में बहुत लाभ मिलता है। बता दें कि रुद्राक्ष धारण करने से व्यक्ति को पाप, भय व दरिद्रता से छुटकारा मिल जाता है और उसे सदैव भाग्य का साथ मिलता है। वहीं रुद्राक्ष को रोगनाशक भी कहा जाता है। मान्यता है कि इन्हें धारण करने से कई प्रकार के रोग और नकारात्मकताओं से मुक्ति मिल जाती है। लेकिन ज्योतिष विद्वान यह सलाह देते हैं कि इन्हें धारण करने से पहले ज्योतिष सलाह अवश्य लेनी चाहिए।

ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है मांगलिक योग की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष को बहुत ही कारगर माना जाता है। जिन लोगों की कुंडली में ग्रहण योग हैं उनके लिए 2 और 8 मुखी रुद्राक्ष की माला बहुत ही लाभकारी है। काल सर्प दोष से परेशान जातकों को आठ और नौ मुखी रुद्राक्ष पहनना चाहिए। इससे उन्हें बहुत लाभ मिलेगा।

कुंडली में यदि शाक्त योग बन रहा है और उससे छुटकारा पाने चाहते हैं तो व्यक्ति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष बहुत लाभदायक है।

## अमूल्य ज्ञान का बोध

### ✻ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

### ✻ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

### ✻ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

### ✻ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

### ✻ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

### ✻ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

### ✻ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

### ✻ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

### ✻ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

# जीवन में कैसा व्यवहार व्यक्ति को खाई में गिरने से बचाता है, यहां जानिए

व्यवहार को व्यक्ति का दर्पण माना जाता है। वह अपने सगे-संबंधी, मित्र या समाज से कैसा व्यवहार करता है, इसका बहुत महत्व है। महात्मा विदुर ने भी विदुर नीति के माध्यम से यह बताने का प्रयास किया है कि व्यक्ति किस तरह के व्यवहार को अपनाकर जीवन में कभी परेशानियों से नहीं घिरता है। बता दें कि महाभारत काल में महात्मा की गणना श्रेष्ठ विद्वानों में की जाती थी। आज भी उनके द्वारा दी गई शिक्षा को अनेकों युवाओं द्वारा पढ़ा और सुना जाता है। विदुर नीति के इस भाग में आइए जानते हैं कि व्यक्ति को अपने जीवन में किस तरह का व्यवहार करना चाहिए।

**इस तरह का व्यवहार करके व्यक्ति रहता है सुखी**

यस्मिन् यथा वर्तते यो मनुष्यस्तस्मिंस्तथा वर्तितव्यं स धर्मः। मायाचारो मायया वर्तितव्यः साध्वाचारः साधुना प्रत्युपेयः ।।

महात्मा विदुर ने इस श्लोक के माध्यम से बताया है कि व्यक्ति को जैसा के साथ तैसा व्यवहार ही करना चाहिए। यही व्यक्ति की नीति होनी चाहिए। उसे अच्छे के बहुत अच्छा व्यवहार करना चाहिए और बुरे के साथ बुरा रुख ही अपनाना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति स्वयं को और परिवार को कई परेशानियों से बचा सकता है। क्योंकि बुरा व्यक्ति न तो आपका हित चाहता है

# सुरसागर में डूबना भी प्रार्थना व साधना का दूसरा नाम

प्रत्येक संगीतकार धरती पर चहकता एक फरिश्ता है। यह फरिश्ता हमें स्वर लोक की यात्रा में ले जाता है। जहां कहीं भी जब संगीत की महफिल सजती है, वहीं उसी समय ईंट और चूने के बिना देवालय का निर्माण होता है। इस देवालय में कॉस्मिक सिम्फनी की सुरलहरी बहती है, जो श्रोताओं को सुरसागर में डूबो देती है। यहां डूबना एक तरह की प्रार्थना ही है। पाकिस्तानी गायिका नूरजहां संगीत साधना को अल्लाह की इबादत मानती थीं। पंडित हरिप्रसाद चौरसिया कहते हैं- स्वर के साथ भगवान का सीधा संबंध है। कोई भी कलाकार यदि रियाज कर रहा हो तो यह समझ लो कि वह उस समय प्रार्थना कर रहा है। स्वर साधना ही प्रभु-साधना है। मानव इतिहास में सबसे उल्लेखनीय गायक किसे माना गया है? राम के सुपुत्र लव और कुश को। वे रामायण का गान करने वाले गायक थे। नैमिषारण्य में कहा गया है कि इन बच्चों ने राम को भी रामायण सुनाई थी। आज भी गायकों के लिए कुशीलव शब्द का प्रयोग किया जाता है। कुश और लव के संगीत से उस समय के ऋषि-मुनि मंत्रमुग्ध हो गए थे। वराह उपनिषद में विश्वव्यापी सुर की महिमा की व्याख्या की गई है। उसमें ऋभु ऋषि कहते हैं- इंद्रियों का नाथ मन है, मन का नाथ प्राणवायु है, प्राणवायु का नाथ लय है, इसलिए प्राण के नाथ यानी स्वर-ताल और लय की शरण में जाओ। जीवन में मंत्रमुग्धता प्राप्त करने के लिए हमें कितने दुर्लभ क्षण मिले हैं? लोग बात-बात में तल्लीनता शब्द को पूरी तरह से समझे बिना ही प्रयोग में लाते हैं। तल्लीन यानी तक् कलीन यानी सम्पूर्ण रूप से प्रभु में एकाकार हो जाना। संगीत की किसी भी महफिल में आपको दो प्रकार के श्रोता मिलेंगे। पहले तो ताली बजाने को उतावले और दूसरे रसानंद में एकाकार होकर चुप रहने वाले। जब मंच से कोई संगीत साधक सुर की लहरी बहाता है तो उस समय दूसरे प्रकार के श्रोताओं की आवश्यकता होती है। शोर करने वाले श्रोता संगीत के सच्चे साधक को नहीं सुहाते। महफिल में संगीतकार की कला को सराहना अच्छी बात है। परंतु संगीतकार के लिए भीतर से अच्छे शब्द निकलना भी उसके लिए की गई किसी प्रार्थना से कम नहीं है। स्वर लहरी में डूबने के बाद यह एक तरह की समाधि ही है। इसमें गायक और श्रोता एकाकार हो जाते हैं। इस समय श्रोता को भी फरिश्ते का दर्जा मिल जाता है।

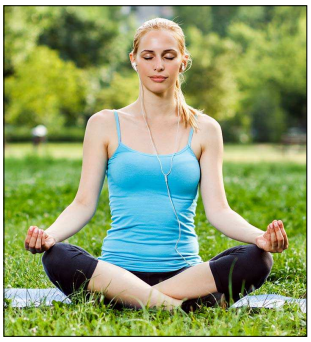

हमारी स्कूलों में बच्चों तक संगीत किस तरह से पहुंचता है। जिसे ताल और सुर की समझ नहीं होती, वह भी संगीत के बारे में ऐसे बोलता है, मानो उसने उस विषय पर पी-एच.डी. कर रखी हो। संगीत सुनने के दौरान यदि कहीं ताल या सुर टूट जाए और उसे ज़रा भी खलल न पहुंचे तो वह इंसान अधूरा है। आज संगीत का दूसरा नाम तेज स्वर में बजने वाला डीजे हो गया है। संगीत के बारे में चीन के दार्शनिक कंफ्यूशियस ने कहा था- देश का शासन कैसा है, यह जानना हो तो लोगों में किस प्रकार का संगीत प्रचलित है, उसकी जांच करो।

कई श्रद्धालुओं को यह भी पता नहीं होता है कि अच्छे प्रवचन में एक प्रकार की रिदम होती है। रिदम शब्द के मूल में ऋतम शब्द है। प्रवचन भी बेसुरा-बेताला हो सकता है। कोपनहोअर कहते हैं कि तेज शोर को सहन करने की शक्ति ही असभ्यता की निशानी है। बात में दम है। अब यदि आप कभी किसी संगीत के कलाकार से मिलें तो उसे फरिश्ता समझकर व्यवहार करें। ऐसा करने से कदाचित आप भी कुछ समय के लिए फरिश्ता बन जाएंगे।

# मोबाइल नहीं, बच्चों का सबसे अच्छा दोस्त होता है बाल साहित्य, अच्छी किताबें बच्चों के विकास में होती हैं सहायक

बचपन की यादों में बाल साहित्य का अपना एक निश्चित स्थान है। मोबाइल की दुनिया से पूर्व तो यही बच्चों के मनोरंजन के साथ ज्ञानार्जन का अवलम्ब था। किताबें, बाल पत्रिकाएं और दादा-दादी, नाना नानी के क़िस्से बालमन को गढ़ने में महती भूमिका निभाते हैं। अब पुस्तकों की वो सुगंध, कल्पना की आज़ादी और न जाने कितनी प्रत्यक्ष-परोक्ष सीखें पीछे छूट रही हैं। हम जब भी जीवन के शुरुआती हिस्से को याद करते हैं तो अकस्मात ही हमें तोतली बोली की मिठास अपने सम्मोहन में बांध देती है। यही मिठास हमें बाल मनोविज्ञान की कई तहों को स्पर्श करवाते हुए एक बार फिर उसी मासूमियत, हंसी-ठिठोली, मीठी-शरारतों, अठखेलियों से लेकर कई क़िस्सों से हमारी मुलाक़ात करवा देती है। जीवन की यह वह महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसमें कोई भी बार-बार लौटना चाहता है। यही वह नाज़ुक समय है, जब बच्चा धीरे-धीरे दुनिया को जानने-समझने लगता है, उसमें जीवन मूल्यों का संचार होने लगता है। उसकी यह प्रथम पाठशाला घर से शुरू होकर शिक्षकों, मित्रों, समाज से मिले कई खट्टे-मीठे अनुभवों संग एक अन्य पहलू से भी बच्चों को जोड़ती है। बाल साहित्य वह कड़ी है जो बच्चे की उंगली थामे उसके व्यावहारिक, बौद्धिक, मानसिक, संवेगात्मक, नैतिक, व्यक्तित्व-संबंधी, सृजनात्मक, सामाजिक, भाषिक, चारित्रिक आदि कई जीवन मूल्यों के विकास में अपनी अहम भूमिका निभाती है। वैज्ञानिक तर्क के अनुसार बच्चों के मस्तिष्क का बहुत-सा विकास छोटी उम्र में ही हो जाता है। यदि इस उम्र में बच्चों को सही, सम्पूर्ण और सकारात्मक शिक्षा उपलब्ध करवाई जाए तो हमें भविष्य में इसके सुखद परिणाम नज़र आते हैं, जिससे एक बेहतर समाज के निर्माण में मदद मिलती है। वैलेंटाइन के अनुसार- 'शैशवावस्था सीखने का आदर्श काल है। यह काल एक कोरे काग़ज़ की तरह होता है जिस पर अभी कुछ अंकित नहीं होता। इस उम्र में बच्चे को सिखाया, पढ़ाया, समझाया गया सब पहली-पहली बार दर्ज हो रहा होता है। ये शुरुआती बातें उसे बहुत लम्बे समय तक या यह कहें कि ताउम्र याद रहती हैं।

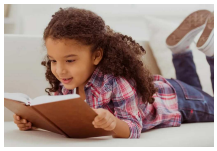

## धर्म दर्शन

# पाक्षिक राशिफल

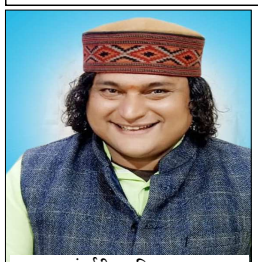

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

**मेष राशि** – धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। आय में वृद्धि होगी, वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे । मानसिक शांति तो रहेगी, लेकिन मन में असंतोष भी रहेगा।

**वृष राशि** – बातचीत में संयत रहें। वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। घर-परिवार में धार्मिक संगीत के कार्य होंगे। वाहन सुख में वृद्धि होगी। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं, लेखनादि कार्यों से आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं ।

**मिथुन राशि** – माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की संभावना बन रही है, स्थान परिवर्तन भी संभव है। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। आय में वृद्धि होगी, वाहन सुख का वस्तिार संभव है।

**कर्क राशि** – आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। संतान सुख में वृद्धि होगी, क्रोध के अतिरेक से बचें। उच्च शक्षिा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है। मन में शांति व प्रसन्नता के भाव रहेंगे, आत्मवश्विास से लबरेज रहेंगे लेकिन अति उत्साही होने से बचें। माता व परिवार की किसी बुजुर्ग महिला से धन की प्राप्ती के योग बन रहे हैं।

**सिंह राशि** – मन में शांति व प्रसन्नता के भाव रहेंगे, लेकिन बातचीत में संयत रहें, क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम रहेंगे, शोध आदि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। आय में वृद्धि होगी, संचित धन भी बढ़ेगा लेकिन किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

**कन्या राशि** – स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा। नौकरी व कार्यक्षेत्र में वस्तिार हो सकता है। स्थान परिवर्तन की भी संभावना बन रही है। मानसिक शांति तो रहेगी लेकिन पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि संभव है, आय में भी वृद्धि होगी। स्थान परिवर्तन भी संभावित है।

**तुला राशि** – भवन सुख का विस्तार होगा, माता-पिता का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है। अपनी भावनाओं को वश में रखें, स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। घर में धार्मिक कार्य हो सकते हैं, किसी धार्मिक यात्रा पर जाने के योग भी बन रहे हैं।

**वृश्चिक राशि** – अपनी भावनाओं में वश में रखें, आत्म संयत रहें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आत्मवश्विास में वृद्धि होगी लेकिन क्रोध की भी अधिकता रहेगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। माता का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

**धनु राशि** – मानसिक शांति तो रहेगी, फिर भी क्रोध के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे, परिवार में सुख-शांति रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं, इच्छाविरुद्ध कुछ नए कार्यों की जिम्मेदारी मिल सकती है। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा, आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

**मकर राशि** – मन में निराशा के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। माता का सहयोग मिलेगा, नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा।

स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती हैं। आत्म सयंत रहें , वाणी में सौम्यता रखें, परिवार में हंसी खुशी का माहौल बना रहेगा।

**कुंभ राशि** – मानसिक शांति तो रहेगी परंतु असंतोष भी रहेगा। परिवार में सुख शांति रहेगी, शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी। कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। नौकरी में यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

**मीन राशि** – आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, लेकिन आत्म संयत रहें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी, परंतु किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग बन रहे हैं।

(कविता)

## मजदूर

मैं सशक्त हूँ मैं मजदूर हूँ
मैं श्रमिक हूं
मुझसे सबका यश वैभव है,
मुझसे ही निर्माण है।
मुझमें राष्ट्र सृजन की ऊर्जा ,
मुझसे ही संधान है।
मेरी पदचापों में छुपी हुई है
श्रम के कर्मों की खान है।
मुझमें ही नवपथ की रचना
और गर्वित नवनिर्माण है।
मुझसे ही जल थल
और नभ में जीवित,
कर्मठता का प्राण है।
मैंने प्रलय और विध्वंसों से लड़कर,
जीता है ये जहाँन है।
हाँ मैं मजदूर हूँ मैं श्रमिक हूँ,
स्वाभिमान से भरा हुआ मैं
आत्मबल ही मेरा ईमान है।
मैं इस जग के जीवों को
जीवन नया दिलाता हूं।
मैं किसान बन मेहनत
से अन्न उगाता हूं।
मैं हलधर हूं श्रम के गीत सुनाता हूं।
जग में ऐसा कोई कर्मठ
कृत्य नही है ,
जिसको मैंने कभी किया नहीं हो ।
प्रासादों के नींव का पत्थर
मेरे सिवा यूं ही गढ़ा नही हो।
ऐसा कोई सेतु नही जग में
जो मेरे द्वारा गढ़ा नही हो ।
मैं आराधन करता हूं श्रम का ,
मैं अभिवादन कर्मठता का हूं,
श्रमेव जयते मैं मंत्र लिखता हूं ,
हर मानव ने उसे पढ़ा है।
मैं शोणीत को स्वेद बनाता
मैं शौर्य का मंत्र बनाता।
आत्मबल ही मेरा ईमान है।
मैं निर्माणों की खान हूं।
मैं जय जवान,जयकिसान व
जय विज्ञान का प्राण हूं।
हाँ मैं मजदूर का प्राण हूँ,
हां मैं श्रमिक का प्राण हूं।
हाँ मैं मजदूर,श्रमिक,किसान हूँ।

राजेन्द्र आचार्य
राजन,
भवानीमंडी

## क्या विद्यार्थी लौटा सकता है अपने गुरु का ऋण? आचार्य चाणक्य से जानिए

चाणक्य नीति के एक श्लोक में आचार्य चाणक्य ने विद्या को अमूल्य धन बताया है। ऐसा इसलिए क्योंकि बिना विद्या रूपी धन के जीवन में कभी सफलता नहीं मिलती है और व्यक्ति को कई प्रकार के समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके साथ आचार्य चाणक्य ने चाणक्य नीति के माध्यम से जीवन में गुरु के महत्व को भी विस्तार से बताया है। ऐसा इसलिए क्योंकि बिना गुरु के कोई भी विद्यार्थी विद्या अर्जित नहीं कर सकता है। एक विद्यार्थी के सर्वप्रथम गुरु उसके माता-पिता होते हैं, फिर शिक्षक और विद्यालय के बाद जीवन के अनुभव ही शिक्षक का रूप धारण कर लेते हैं। ऐसे में क्या हम अपने गुरुओं का ऋण लौटा सकते हैं, आइए चाणक्य नीति के इस भाग में जानते हैं।

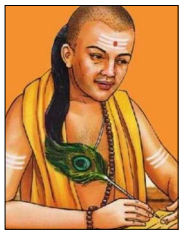

गुरु और विद्या के विषय आचार्य चाणक्य ने बताई है महत्वपूर्ण बात

**एकमेवाक्षरं यस्तु गुरुः शिष्यं प्रबोधयेत् । पृथिव्यां नास्ति तद्द्रव्यं यद् दत्त्वा चाऽनृणी भवेत् ।।**

इस श्लोक के माध्यम से आचार्य चाणक्य बता रहे हैं कि जिन्होंने ने भी गुरु के रूप में चाहे एक अक्षर का ही ज्ञान क्यों न दिया हो। उनके ऋण से मुक्त होने के लिए इस पृथ्वी पर ऐसी कोई योग्य चीज अबतक बनी नहीं है। इसलिए व्यक्ति को सदैव में गुरु और माता-पिता के चरण छूकर आशीर्वाद लेना चाहिए। साथ ही उन्हें उन सभी को लोगों को हर समय आदर और सम्मान देना चाहिए, जिन्होंने आपको जीवन में योग्य व्यक्ति बनाया है।

**सुखार्थी चेत् त्यजेद्विद्यां त्यजेद्विद्यां विद्यार्थी चेत् त्यजेत्सुखम्।**
**सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम् ।।**

चाणक्य नीति के इस श्लोक में आचार्य चाणक्य बता रहे हैं कि जो विद्यार्थी केवल सुख की इच्छा करता है, उसे विद्या का त्याग कर देना चाहिए।

इसके अतिरिक्त जो छात्र विद्या ग्रहण करना चाहते हैं, उन्हें सुख के विषय में सोचना भी नहीं चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि जो छात्र अभी सुख की कामना कर रहे हैं उन्हें विद्या बोझ के समान लगती है और वह हर समय संघर्ष करते हैं। साथ ही जो छात्र वास्तव में विद्या ग्रहण करना चाहते हैं, वह सभी कठिनाइयों पर विजय प्राप्त करके अपने लक्ष्य तक पहुंच जाते हैं और अंत में सफलता प्राप्त करते हैं।

## (कहानी)
## सुखी जीवन का रहस्य

एक महान संत हुआ करते थे जो अपना स्वयं का आश्रम बनाना चाहते थे जिसके लिए वो कई लोगो से मुलाकात करते थे । एक जगह से दूसरी जगह यात्रा के लिए जाना पड़ता था। इसी यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात एक साधारण सी कन्या विदुषी से हुई । विदुषी ने उनका स्वागत किया और संत से कुछ समय कुटिया में रुक कर आराम करने की याचना की । संत उसके मीठे व्यवहार से प्रसन्न हुए और उन्होंने उसका आग्रह स्वीकार किया । विदुषी ने संत को अपने हाथों का स्वादिष्ट भोज कराया । और उनके विश्राम के लिए खटिया पर एक दरी बिछा दी और खुद फर्श टाट बिछा कर सो गई । विदुषी को सोते ही नींद आ गई । उसके चेहरे के भाव से पता चल रहा था कि विदुषी चैन की सुखद नींद ले रही है । उधर संत को खाट पर नींद नहीं आ रही थी । उन्हें मोटे नरम गद्दे की आदत थी जो उन्हें दान में मिला था । वो रात भर विदुषी का सोच रहे थे कि वो कैसे इस कठोर जमीन पर इतने चैन से सो सकती है । दूसरे दिन सवेरा होते ही संत ने विदुषी से पूछा कि - तुम कैसे इस कठोर धरा पर इतने चैन से सो रही थी । तब उसने बड़ी सरलता से उत्तर दिया - हे गुरु देव ! मेरे लिए मेरी ये छोटी सी कुटिया एक महल के समान ही भव्य है । इसमें मेरे श्रम की महक है । अगर मुझे एक समय भी भोजन मिलता है तो मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूँ । जब दिन भर के कार्यों के बाद मैं इस धरा पर सोती हूँ तो मुझे माँ की गोद का आत्मीय अहसास होता है । मैं दिन भर के अपने सत्कर्मो का विचार करते हुए चैन की नींद सो जाती हूँ । मुझे अहसास भी नहीं होता कि मैं इस कठोर धरा पर हूँ । यह सब सुनकर संत जाने लगे । तब विदुषी ने पूछा - हे गुरुवर ! क्या मैं भी आपके साथ आश्रम के लिए धन एकत्र करने चल सकती हूँ ? तब संत ने विनम्रता से उत्तर दिया - बालिका ! तुमने जो मुझे आज ज्ञान दिया है उससे मुझे पता चला कि चित्त का सुख कहाँ है । अब मुझे किसी आश्रम की इच्छा नहीं रह गई । यह कहकर संत वापस अपने देश लौट गये और एकत्र किया धन उन्होंने गरीबो में बाँट दिया और स्वयं एक कुटिया बनाकर रहने लगे । अतः संतुष्टि ही जीवन का मूल मंत्र है, अगर इंसान में संतोष है तो कोई दुःख उसे तोड़ नहीं सकता । यही है जीवन का रहस्य ।

प्रभाती लाल सैनी

# मंगल दोष के कारण विवाह में आती हैं अड़चनें, जानिए मांगलिक दोष से निजात पाने के ज्योतिषी उपाय

ज्योतिष शास्त्र में मंगल ग्रह का काफी महत्व है। ज्योतिष शास्त्र में मंगल ग्रहों के सेनापति होने के साथ क्रूर ग्रह के रूप में माना जाता है। इसके साथ ही मंगल ग्रह मेष और वृश्चिक राशि के स्वामी है। मंगल की स्थिति विवाह के समय जरूर देखी जाती है। जब कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम और द्वादश भाव में से किसी भी भाव में होता है तो यह मांगलिक दोष कहलाता है। मांगलिक दोष वाले जातक का विवाह किसी मांगलिक दोष वाले लड़का या फिर लड़की से होता है। अगर आपकी कुंडली में भी मंगल दोष है, तो ज्योतिष संबंधी इन उपायों के अपना सकते हैं। इससे लाभ मिलेगा।

**क्या होता है मांगलिक दोष?**

कुंडली में मांगलिक दोष मंगल ग्रह की स्थिति के कारण होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब किसी जातक की कुंडली में मंगल 1, 4, 7, 8 और 12वें स्थान पर हो तो माना जाता है कि व्यक्ति मांगलिक है।

**मांगलिक और विवाह का कनेक्शन** ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मंगल का शादी विवाह से काफी कनेक्शन है। जब किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल की स्थिति कमजोर होती है तो वह मांगलिक होता है। ऐसे में अगर गैर मांगलिक लड़का या लड़की से विवाह करा दिया जाए, तो वैवाहिक जीवन में कई परेशानियां आती हैं। कई बार क्लेश इतना ज्यादा बढ़ जाता है कि जीवनसाथी से अलगाव हो जाता है।

**मंगल दोष से निजात पाने के उपाय** लड़का या लड़की के मांगलिक होने पर ज्योतिष शास्त्र में विभिन्न उपाय बताए गए हैं। जिन्हें अपनाकर मांगलिक की समस्या से निजात पा सकते हैं।

अगर कोई लड़की मांगलिक है, तो शादी से पहले कुंभ विवाह, विष्णु विवाह या फिर अश्वत्थ विवाह कराया जाता है। हर मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें। रोजाना शिवलिंग में जलाभिषेक दुधाभिषेक के साथ-साथ लाल रंग का फूल अर्पित करें। घर में आने वाले मेहमानों को मिठाई खिलाने से भी मंगलदोष को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

हर मंगलवार के दिन भगवान शिव को शहद अर्पित करें। इससे भी मंगल दोष से निजात मिल जाती है।

हनुमान जी को केसरिया रंग का चोला अर्पित करें।

मंगलवार के दिन एक छोटे आकार के केसरिया गणपति घर ले आएं और नियमित रूप से पूजा करें।

# सांसद रामचरण बोहरा और विधायक रामलाल शर्मा ने जन आक्रोश यात्रा के रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

**चौमूँ (संस्कार सृजन)।** प्रदेश भाजपा की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में निकाली जा रही जन आक्रोश रैली के तहत चौमूं विधानसभा क्षेत्र की जन आक्रोश रैली का शुभारंभ गढ़ गणेश मंदिर चौमूं से हुआ। जन आक्रोश यात्रा के रथ को जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा विधायक रामलाल शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जन आक्रोश रथ के साथ विधायक रामलाल शर्मा के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। जन आक्रोश यात्रा गढ़ गणेश मंदिर चौमूं से रवाना होकर जेतपुरा, अनंतपुरा जेतपुरा, मोरीजा, सुलतानपुरा, फतेहपुरा, कुशलपुरा, विजयसिंहपुरा, समरपुरा और चीथवाडी पहुंची।

यात्रा का शुभारंभ करते हुए जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा ने सीएम अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि सूबे का सीएम पहले अपने साथी को निकम्मा, नकारा बताता है और फिर उसे ही पार्टी की पूंजी बताता है ऐसी पूंजी को बाजार में लेकर जाओगे तो चलेगी कैसे। कांग्रेस भ्रष्टाचार मुक्त शासन की बात करती है लेकिन इसी सरकार के विधायक और मंत्री एक दूसरे पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं। विधायक रामलाल शर्मा ने कांग्रेस की राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां का कांग्रेस नेतृत्व एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप में उलझा है, जनता का कोई धनीधोरी नही है।

उन्होंने कहा कि हमारा जन आक्रोश चौमूं की जनता से किए गए वादों यथा बीसलपुर के पानी की वादाखिलाफी के विरुद्ध, गोविंदगढ़ तक मेट्रो लाने के वादाखिलाफी के विरुद्ध, चौमूं में चल रहे ट्रांसफर उधोग के खिलाफ, आराध्य वीर हनुमान जी के रोप वे बंद करने के विरुद्ध, चौमूं नगरपालिका में हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ ये यात्रा रहेगी।

जन आक्रोश रैली कार्यक्रम प्रमुख आशीष दुसाद ने बताया कि चौमूँ विधानसभा में जन आक्रोश यात्रा का रथ 5 दिसंबर से 14 दिसंबर तक हर गांव, ढाणी, चौपाल तक पहुंचेगा। 4 साल का जश्न मनाने की तैयारी कर रही राज्य सरकार की कुशासन और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की नीतियों को आम जन तक पहुंचाया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दी डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि

**जयपुर (संस्कार सृजन)।** शहर के मोरीजा रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय गोठवाल भवन पर पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी व कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा भारत के संविधान निर्माता व भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पूर्व विधायक सैनी ने बताया कि डॉ. बाबासाहब आंबेडकर भारतीय बहुज्ञ, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाजसुधारक थे। उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतों से सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था। श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन भी किया था। डॉ. बाबा साहब अद्वितीय प्रतिभा अनुकरणीय थे। इस मौके पर पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष कृष्णकांत जोशी, वरिष्ठ कांग्रेसी शरद चंद चौहान, सरपंच मनोहर सरावता, सरपंच प्रतिनिधि महंत योगेश्वर दास शर्मा, गेंदीलाल सैनी, कैलाश चंद्र बुनकर, राजकुमार सैनी इटावा, दिनेश कुमार सैनी तिगरिया, नरेश यादव, पूरणमल मीणा, मामराज गोठवाल, राकेश करवां, अभिषेक मोरदिया, अनिल करवां, रमाकांत शर्मा, पुष्पेंद्र प्रजापति, प्रकाश निठारवाल, रामलाल सैनी, अजय जाटावत व राकेश इंदौरा सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# गुलाबी सर्दी के बढ़ते ही नेपाली मार्केट में उमड़ी ग्राहकों की भीड़

**चौमूं (संस्कार सृजन)।** गुलाबी सर्दी के बढ़ते ही नेपाली मार्केट में गर्म कपड़े खरीदने वाले ग्राहकों की भीड़ बढ़ती ही जा रही है । जी हां ! हम बात कर रहे हैं चौमूं शहर में हर वर्ष की भांति लगने वाले हिमालयन बुद्धिष्ठ नेपाली मार्केट की । इस वर्ष भी चौमूं बस स्टैंड, रींगस रोड, अंकित रेस्टोरेंट के सामने हिमालयन बुद्धिस्ट नेपाली मार्केट खुला हुआ है । जहां पर दिनों - दिन ग्राहकों की भीड़ बढ़ती जा रही है । मार्केट प्रधान ने रिगजन ने बताया कि हमारे यहां मार्केट में 30 दुकानें हैं और 30 दुकानों में सर्दी के मौसम में काम आने वाले सभी कपड़े एक ही दाम पर उपलब्ध है । हमारे यहां पर स्वेटर, जैकेट, कोर्डिंगन, लोई ,पशमीना शॉल, मफलर, टोपी, जुराब ,लेडीज कपड़े आदि उपलब्ध हैं । चौमूं वासियों का हमेशा हमें सहयोग मिलता रहता है, इस बार भी जबरदस्त सहयोग मिल रहा है । इस दौरान पूर्व प्रधान लोबजंग दोरजे, अनुज शेरपा, ज्ञानचंद, ज्ञासो, तेनजिंग गेल्सन, अंजू, पूजा, तेनजिंग ढोलकर, नवांग जांगपो, अंगचुक, विजय, प्रेम सिंह, राजकुमार आदि लोग मौजूद रहे ।

## कोटा में बीजेपी कार्यकर्ताओं पर लाठी चलीं

### किसान कर्ज माफी के लिए ज्ञापन देने जा रहे थे, पुलिस ने रोका; बीजेपी ने लाठीचार्ज का आरोप लगाया

कोटा(वि.सं.)। कोटा के कनवास से दरा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ज्ञापन देने जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने खदेड़ा। जिसके विरोध में बीजेपी कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए। बीजेपी ने लाठीचार्ज का आरोप लगाया है। पूर्व विधायक हीरालाल नागर का कहना है कि लाठीचार्ज में 10 से 12 कार्यकर्ता घायल हुए है। 2 को हॉस्पिटल ले जाया गया है। उन्हें भी हाथ में चोट आई है। इधर कुछ पुलिसकर्मियों के भी चोट आई है। दरअसल, बीजेपी कार्यकर्ता ज्ञापन देने मोरुकला जा रहे थे। पुलिस ने बीजेपी कार्यकर्ताओ को आगे जाने से रोक दिया। करीब 200-300 कार्यकर्ता आगे जाने के लिए अड़ गए। दोनों तरफ से धक्का मुक्की हुई। इस बीच किसी ने पत्थर फेंकना शुरू किया। जिसके बाद पुलिस कार्यकर्ताओ को खदेड़ना शुरू किया। लाठियां फटकारी,जिससे मौके पर भगदड़ मच गई। कुछ हो देर में बीजेपी कार्यकर्ता इक्कठा होकर आवां चौराहे पर धरने पर बैठ गए।

# होमगार्ड स्थापना दिवस को लेकर हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

**जयपुर (संस्कार सृजन)।** गृह रक्षा प्रशिक्षण केंद्र जयपुर में कमांडेंट अनवर एच खान के नेतृत्व में होमगार्ड स्थापना दिवस 6 दिसम्बर के उपलक्ष्य में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया । जिसमें लगभग 250 यूनिट रक्त एकत्रित किया। गौरतलब है कि होमगार्ड जवानों की हौसला अफजाई करने के लिए शुरुआती तौर पर कमांडेंट अनवर एच खान, कंपनी कमांडर चंद्रपाल सिंह, कंपनी कमांडर सत्यनारायण देवड़ा, देशराज सिंह व जगदीश सिंह ने रक्तदान किया । तत्पश्चात होमगार्ड जवानों ने रक्तदान बडे जोश के साथ किया । इस अवसर पर राजस्थान होमगार्ड कर्मचारी संगठन के प्रदेशाध्यक्ष झलकन सिंह राठौड़ व उनकी कार्यकारिणी ने शिविर में भाग लिया और रक्तदान हेतु जवानों को उत्साहित किया । रक्तदान शिविर स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के डॉ. ओ. पी. गुप्ता के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

# चारदरवाजा पर सजा मुशायरे का मंच:देशभर के शायरों ने पढ़े देशभक्ति और वर्तमान हालातों पर शेर

जयपुर(नि.सं.)। गुलाबी नगरी जयपुर के स्थापना दिवस पर नगर निगम जयपुर हैरिटेज की ओर से जयपुर के स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत मुशायरा इवेंट के जरिए हुई। यह कार्यक्रम रामगंज स्थित चारदरवाजा के पास आयोजित किया गया। मुशायरा कार्यक्रम की शुरुआत नातेपाक से की गई। नातेपाक के बाद राजस्थान उर्दू अकादमी के सचिव मोहज्जम अली की शायरियों/सेवाओं को याद करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। गुलाबी नगरी जयपुर के स्थापना दिवस को खास बनाने के लिए एवं मुशायरा कार्यक्रम आयोजन करने के लिए जयपुर नगर निगम हैरिटेज की महापौर मुनेश गुर्जर एवं उप महापौर मो. असलम फारूखी का धन्यवाद एवं स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुनैश गुर्जर व असलम फारुकी ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर आराधना की। फिर मुशायरा कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सबसे पहले शफीक अहमद वारसी ने अपनी शायरियां प्रस्तुत की। इसी क्रम में डॉ. अरविंद अजान, डॉ. शाईस्ता महाजबीन, सुनील प्रसाद शर्मा (सहायक पुलिस आयुक्त, रामगंज), सुहेल हाशमी, आयुब बीसमील, अजाज उल हक शिहाब, शकील जयपुरी तथा विशेष मेहमान साबिया भोपाली एवं आलम सुलतानपुरी ने अपनी-अपनी शायरियां एवं शेर प्रस्तुत किए, जिन पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाई।

# न्यू शाइन इंटरनेशनल स्कूल में होगी राज्य स्तरीय दृष्टिहीन क्रीडा

**जयपुर (संस्कार सृजन)।** क्षेत्र में राज्य स्तरीय दृष्टिहीन बालको द्वारा तीन दिवसीय क्रीडा प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर विद्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी गई। गोल्यावाला आश्रम के महंत सागर पुरी महाराज ने बताया कि 26 दिसंबर से वीर हनुमान मार्ग,इन्दोरा कॉलोनी स्थित न्यू शाइन इंटरनेशनल स्कूल में दृष्टिहीन बालकों के द्वारा खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है । राजस्थान दृष्टिहीन क्रीड़ा परिषद के द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित होगा । स्कूल सचिव राहुल सैनी ने बताया कि 32 वीं खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान सभी प्रकार के खेल आयोजित किए जाएंगे । जिनमें मुख्य रुप से शतरंज, क्रिकेट, भाला फेक समेत अनेक प्रकार के अन्य खेल भी आयोजित होंगे। राजस्थान दृष्टिहीन क्रीड़ा परिषद के सचिव लक्ष्मीनारायण स्वर्णकार ने बताया कि इस दौरान लगभग राजस्थान राज्य के 250 दृष्टिहीन बालक हिस्सा लेंगे। दृष्टिहीन बच्चों के उत्थान हेतु , उनके कार्य करने हेतु ,चेतना व अन्य विकास हेतु यह प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राजस्थान दृष्टिहीन क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष लालचंद रावत ने लोगों से आह्वान किया कि क्रीडा प्रतियोगिता के दौरान किसी दृष्टिहीन बालक को प्रतियोगिता स्थान की ओर जाने के लिए उसे उस स्थान पर छोड़ दिया जाए जिससे कि उसको अनावश्यक परेशानी नहीं हो। कार्यक्रम के दौरान खेल संबंधित अनेक प्रकार की जानकारियां भी दी गई।

## तृणमूल के राष्ट्रीय प्रवक्ता की गिरफ्तारी पर ममता बनर्जी बोली:बहुत बुरा हुआ

अजमेर (वि.सं.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार को दिल्ली से किशनगढ़ एयरपोर्ट पहुंची। यहां तृणमूल के राष्ट्रीय प्रवक्ता साकेत गोखले की गिरफ्तारी को लेकर ममता बैनर्जी ने कहा कि यह बहुत बुरा हुआ। उन्होंने कहा कि साकेत गोखले ने सोमवार रात नई दिल्ली से राजस्थान के जयपुर के लिए उड़ान भरी थी। जयपुर एयरपोर्ट पर उन्हें गुजरात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उसे अहमदाबाद ले गई। बैनर्जी ने कहा कि उन्होंने मोरबी पुल हादसे पर प्रधानमंत्री के खिलाफ ट्वीट किया था। हमारे खिलाफ तो बहुत ट्वीट होते है। लेकिन साइबर क्राइम को जरूर देखना चाहिए। मोरबी पुल हादसा बड़ा कांड था। बनर्जी ने कहा कि बंगाल ओर राजस्थान का है अलग रिश्ता है। राजस्थान के कई लोग रहते है बंगाल में, बंगाल में कई आईएएस ओर आईपीएस भी राजस्थान के ही रहने वाले है ,जब वह रेल मंत्री तब मैंने एक स्कीम बनाई थी, देश को एक करने के लिए बहुत फाइट करनी पड़ी थी।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com